अटल टिंकरिंग लैब

विद्यालय में सत्र 2020-21 में स्थापित अटल टिंकरिंग लैब (ATL) नीति आयोग/भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम के तहत, छात्रों को नवाचार और व्यावहारिक शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई तरह की गतिविधियों में शामिल किया जा रहा है।

इसके अंतर्गत कुछ गतिविधियों शामिल हैं जैसे की :

1. रोबोटिक्स: विशिष्ट कार्यों को करने के लिए रोबोट को डिजाइन करना, बनाना और प्रोग्रामिंग करना।

2. 3D प्रिंटिंग: एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग तकनीक का उपयोग करके त्रि-आयामी ऑब्जेक्ट बनाना।

3. इलेक्ट्रॉनिक्स: सर्किट, सेंसर, माइक्रोकंट्रोलर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक घटकों के बारे में सीखना।

4. कोडिंग: पायथन, स्क्रैच और आर्डिनो जैसी प्रोग्रामिंग भाषाओं के माध्यम से कोडिंग कौशल विकसित करना।

5. इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT): डेटा एकत्र करने और आदान-प्रदान करने के लिए उपकरणों को इंटरनेट से जोड़ने की खोज करना।

6. रैपिड प्रोटोटाइपिंग: विभिन्न सामग्रियों और उपकरणों का उपयोग करके विचारों के त्वरित प्रोटोटाइप बनाना।

7. डिज़ाइन थिंकिंग: समस्या-समाधान और नवाचार के लिए मानव-केंद्रित दृष्टिकोण लागू करना।

8. STEM परियोजनाएँ: विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित की परियोजनाओं में भाग लेना जो व्यावहारिक शिक्षण और प्रयोग को प्रोत्साहित करती हैं।

ये गतिविधियाँ छात्रों को अपनी रुचियों का पता लगाने, आलोचनात्मक सोच कौशल विकसित करने और STEM क्षेत्रों में भविष्य के करियर के लिए तैयार होने के अवसर प्रदान करती हैं।

* विशेषज्ञ सेमिनार आयोजित किए जाते हैं - फरवरी-मार्च 24 के महीने में TECHKNOWSKOLA pvt.ltd के प्रशिक्षक एर. राहुल द्वारा 11 दिवसीय उन्नत प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया।

छात्रों के लिए लाभ:

1. व्यावहारिक शिक्षण: ATL छात्रों को STEM विषयों में व्यावहारिक, व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हैं, जिससे अवधारणाओं की गहरी समझ विकसित होती है।

2. रचनात्मकता और नवाचार: छात्रों को रोबोटिक्स, कोडिंग और 3D प्रिंटिंग जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपनी रचनात्मकता और अभिनव सोच का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

3. समस्या-समाधान कौशल: ATL के भीतर परियोजनाओं और चुनौतियों में भाग लेने से छात्रों को आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान क्षमताओं को विकसित करने में मदद मिलती है।

4. उद्यमशील मानसिकता: एटीएल छात्रों को समस्याओं की पहचान करने और प्रौद्योगिकी और नवाचार का उपयोग करके समाधान विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करके उद्यमशील मानसिकता को बढ़ावा देते हैं।

5. सहयोग और संचार: छात्र साथियों, शिक्षकों और सलाहकारों के साथ सहयोग करते हैं, जिससे उनकी टीमवर्क और संचार कौशल में वृद्धि होती है।

6. कैरियर की तैयारी: उभरती प्रौद्योगिकियों और व्यावहारिक कौशल के बारे में जानकारी प्राप्त करके।

फोटो गैलरी (अटल टिंकरिंग लैब)

I AM AN INNOVATOR

MAKE YOUR